सिंचाई आंकड़ों में परिवर्तन

2616. **श्री राम जेठमलानी:** क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान 26 जुलाई, 1994 के ''इकोनामिक टाइम्स'' में ''लार्ज स्केल चेन्जिज इन इरिगेशन स्टैटिस्टिक्स कम्पलेंट एक्स-आफिशियल्स'' शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि देश में सिंचाई क्षमता पैदा होने तथा सिंचाई क्षमता की उपयोगिता की मात्रा से संबंधित आंकड़ों में पिछले कई वर्षों के दौरान सरकार द्वारा प्रकाशित प्रतिवेदनों में विभिन्नता है;

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(घ) मार्च, 1994 की स्थिति के अनुसार देश में सिंचाई क्षमता तथा इसकी उपयोगिता की मात्रा के संबंध में सरकार की नवीनतम सूचना क्या है?

शहरी विकास मंत्रालय और जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी. के. थुंगन): (क) जी हां।

(ख) और (ग) जी हां। योजना आयोग के कहने पर राज्य सरकारों द्वारा दिए गए आंकड़ों के आधार पर अधिक सूचित और अन्य अशुद्धियों को ठीक करने के वास्ते वृहद और मझौली सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से सृजित व उपयोग की गयी सिंचाई क्षमता का पुन: आंकलन छठी योजना के अंत में किया गया था। छठी योजना के अंत में सृजित की गयी क्षमता एवं उसके उपयोग के पहले सूचित किए गए क्रमश: 30.01 मिलियन हेक्टेयर और 25.33 मिलियन हेक्टे. के आंकड़ों के स्थान पर क्रमश: 27.70 मिलियन हेक्टेयर एवं 23.57 मिलियन हेक्टेयर सम्पुष्ट किए गये। इस प्रकार अब सुदृढ़ किये गये संशोधित आंकड़ों को स्वीकार कर लिए जाने के कारण रिपोर्टों में उल्लिखित आंकड़ों में परिवर्तन हुआ है।

(घ) 1993-94 के अंत में वृहद व मझौली एवं लघु योजनाओं के माध्यम से सृजित की गयी कुल सिंचाई क्षमता एवं उसके उपयोग का आंकलन क्रमश: लगभग 85.05 मिलियन हेक्टेयर और 76.27 मिलियन हेक्टेयर लगाया गया है।

निर्माणाधीन परियोजनाएं

2617. **श्री राम जेठमलानी:** क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि मार्च, 1994 के अंत तक देश में अनेक सिंचाई परियोजनाएं निर्माणाधीन थीं;

(ख) यदि हां, तो उन परियोजनाओं की कुल संख्या क्या है तथा प्रत्येक परियोजना के निर्माण की अनुमानित लागत कितनी है;

(ग) उपरोक्त परियोजनाओं में ऐसी परियोजनाओं की संख्या कितनी है, जिनमें कार्य निर्धारित समय से पीछे चल रहा है;

(घ) निर्माण कार्य में हुए विलंब के कारण उन परियोजनाओं की निर्माण लागत में कुल कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है; और

(ङ) उन सभी चालू अथवा निर्माणाधीन परियोजनाओं के पूरा हो जाने पर कुल कितनी अनुमानित अतिरिक्त सिंचाई क्षमता सृजित होने की संभावना है?

शहरी विकास मंत्रालय और जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी. के. थुंगन): (क) और (ख) 158 वृहद, 226 मध्यम और 95 विस्तार/नवीकरण/आधुनिकीकरण (ई आर एम) परियोजनाएं क्रमश: 54,470 करोड़ रुपए 4,797 करोड़ रुपए और 6,309 की अनुमानित लागत पर आठवीं योजना में आगे ले जाई गई।

(ग) और (घ) उपर्युक्त निर्माणाधीन परियोजनाओं में से 103 वृहद, 165 मध्यम और 20 विस्तार/नवीकरण/आधुनिकीकरण परियोजनाओं को योजना आयोग द्वारा निवेश स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इनमें से 92 वृहद, 159 मध्यम और 17 विस्तार/नवीकरण/आधुनिकीकरण परियोजनाएं निर्धारित कार्यक्रम से पीछे चल रही है। उनकी लागत क्रमश: लगभग 600% , 400% और 200% बढ़ गई है।

(ङ) सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं के पूरा होने पर सृजित की जाने वाली अनुमानित अतिरिक्त सिंचाई क्षमता 2,48,12,000 हेक्टेयर होने की संभावना है।

National Policy on Allocation of Available Water Resources

2618. SHRI RAMDAS AGARWAL:
SHRI SATISH AGARWAL:

Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that since achieving independence. Government have not so far been able to formulate any National Policy for